हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 39 | अलीगढ़, बुधवार, 15 नवम्बर 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रुपये

अयोध्या में सातवें दीपोत्सव से पहले झांकियों और शोभायात्राओं ने राममय बनाया माहौल

अयोध्या(एजेंसी)। राम की नगरी अयोध्या में सातवें दीपोत्सव की धूम है। शनिवार को धूमधाम से भगवान राम के चरित्र पर बनी 18 भव्य और दिव्य झांकियों की शोभायात्रा निकाली गई। योगी सरकार में पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इन्हें भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया। श्रीराम के जीवन पर आधारित झांकियों की शोभायात्रा अयोध्या के उदया चौराहे से राम कथा पार्क तक निकाली गयी। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आये कलाकारों ने शोभायात्रा के जरिए अपनी आस्था का भव्य प्रगटीकरण किया। भारत के सभी प्रमुख लोकनृत्यों की शोभायात्रा को देखने के लिए सड़कों पर जनता का हुजूम उमड़ पड़ा। जगह–जगह झांकियों की आरती भी उतारी गई। अयोध्या के पुरोहित समाज की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष आभार भी व्यक्त किया गया। पर्यटन व संस्कृति मंत्री ने कहा कि राम नगरी में दीपोत्सव का कार्यक्रम होने जा रहा है। विश्व में सबसे ज्यादा दीप प्रज्वलित करने का एक बार फिर नया कीर्तिमान बनेगा। इस दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान राम का राज्याभिषेक करेंगे। सबसे अहम बात ये होगी कि प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के दौरान दुनिया के 50 महत्वपूर्ण देशों के राजनयिक भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि ये दीपोत्सव सभी को त्रेतायुग की याद दिलाता है, जब भगवान श्रीराम लंका पर विजय प्राप्त करके अयोध्या वापस लौटे थे। अयोध्या वासियों ने उनका जिस प्रकार से तब स्वागत–सत्कार किया था। उसी प्रकार से आज यहां की सड़कों पर दिखाई दे रहा है। भारतीय सनातन संस्कृति की ओर से यह संदेश पूरे विश्व पटल पर जाएगा। बता दें कि अयोध्या में निकाली गईं झांकिया पर्यटन विभाग एवं सूचना विभाग द्वारा बनाई गई हैं। इनमे सूचना विभाग की झांकियों में पुत्रेष्ठि यज्ञ एवं सबको सुरक्षा, भयमुक्त समाज, गुरूकुल शिक्षा एवं बच्चों का अधिकार, बेसिक शिक्षा, राम सीता विवाह एवं बेटियों के विवाह हेतु सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्था, अहिल्या उद्धार एवं मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालम्बन, 1090 एवं 1076 की सुविधा, पंचवटीध्वन एवं पर्यावरण, रामेश्वरम सेतु एवं उप्र में पुलों का निर्माण, पुष्पक विमान एवं विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी, बेहतर वायु कनेक्टिविटी, केवट प्रसंग एवं समाज कल्याण, राम दरबार एवं बेहतर कानून व्यवस्था, शबरी–राम मिलाप एवं महिला कल्याण, लंका दहन एवं अपराधियों एवं भूमाफियाओं के विरुद्ध अभियान की झांकियां हैं।

वनटांगिया गांव के राम हैं सीएम योगी! आज दीपावली पर 153 करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर जिले के वनटांगिया गांव के लोगों में दीपावली पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन का उल्लास छाया हुआ है। दरअसल, सीएम योगी को वनटांगिया गांव के लोग राम मानते हैं। इस दिन बस्ती में दीपमालिकाएं सीएम योगी के नाम पर सजती हैं। इस अवसर पर सीएम योगी ने वनटांगिया समाज के लोगों 153 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। बता दें कि रविवार 12 नवंबर 2023 को मुख्यमंत्री योगी वनटांगिया समाज के लोगों के साथ दीपावली मनाने जा रहे हैं। वनटांगिया गाँव जंगल तिकोनिया नंबर 3 में आयोजित दीपोत्सव के दौरान ही सीएम योगी करीब 153 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इनमें विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के गांवों से संबंधित 91 करोड़ की 32 परियोजनाओं का लोकार्पण और 62 करोड़ की लागत वाली 20 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल होगा। जहां एक तरफ प्रशासन सीएम योगी के आगमन को लेकर अपनी तैयारियों में जुटा है तो गांव के लोग सीएम के स्वागत में अपने–अपने सजाने संवारने में लगे हुए हैं। कल रविवार को मुख्यमंत्री इस गांव में आकर दीपोत्सव मनाएंगे।

सतना जिले में भाजपा और कांग्रेस में कांटे की टक्कर

सतना(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सतना जिले की सातों विधानसभा सीटों पर सोलहवें विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर है और अन्य प्रभावी उम्मीदवारों की उपस्थिति ने मुकाबले को काफी रोचक बना दिया है। इस वजह से इस जिले में अप्रत्याशित नतीजों से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। वर्ष 2018 के चुनाव में मैहर, अमरपाटन, नागौद, रामपुरबघेलान और रैगांव में भाजपा ने तथा सतना और चित्रकूट में कांग्रेस ने अपना परचम फहराया था। बाद में भाजपा विधायक जुगलकिशोर बागरी के निधन के कारण रैगांव में उपचुनाव हुआ और कांग्रेस की कल्पना वर्मा ने विजय हासिल की। विंध्य अंचल में स्थित इस जिले में चुनाव प्रचार अभियान पूरी तरह जोर पकड़ चुका है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी और राहुल गांधी भी चुनावी सभाएं ले चुके हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी सातों सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं और पार्टी प्रमुख मायावती भी इस जिले में चुनावी सभा को संबोधित कर चुकी हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) ने चार सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं और सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी चुनावी सभा संबोधित करने दो तीन में आएंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के चार प्रत्याशियों की मौजूदगी के बीच इस दल के वरिष्ठ नेता भी इस जिले में प्रचार अभियान में जुटे हैं।भाजपा जहां केंद्र और राज्य सरकार की विकास योजनाओं को मुख्य मुद्दा बना रही है, वहीं कांग्रेस भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगायी और इस तरह की अन्य समस्याओं को उठाकर लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने का

प्रयास कर रही है। भाजपा पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार के पंद्रह माह के क्रियाकलापों को भी उठाने से नहीं चूक रही है। सतना जिले की सतना विधानसभा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद (सतना) गणेश सिंह पर दाव खेलकर पार्टी इस सीट को कांग्रेस से छीनने का पूरा प्रयास कर रही है। श्री सिंह के मुकाबले में कांग्रेस के मौजूदा विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा अपनी सीट पर कब्जा बरकरार रखने के लिए दिन रात एक कर रहे हैं। यहां से भाजपा के युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रत्नाकर चतुर्वेदी पार्टी से बगावत करते हुए बसपा प्रत्याशी के रूप में डटे हैं। आप से डाक्टर संतोष शर्मा और सपा से हाजी मोईन खान भी प्रचार प्रसार में जुटे हैं। भाजपा, कांग्रेस और बसपा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा रहा है, लेकिन सपा और आप के प्रत्याशी भी कुछ वोट काटकर प्रमुख दलों के राजनैतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। इस विधानसभा सीट पर दो लाख 45 हजार 814 मतदाता कुल 29 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 17 नवंबर को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद कर देंगे। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के नीलांशु चतुर्वेदी एक बार फिर विधानसभा में पहुंचने के लिए पूरी मशक्कत कर रहे हैं। उन्हें भाजपा प्रत्याशी सुरेन्द्र सिंह गहरवार से गंभीर चुनौती मिल रही है। यहां से बसपा और सपा के प्रत्याशी भी ताल ठोक रहे हैं। कुल 16 प्रत्याशी इन दिनों चुनावी रण में प्रचार अभियान में जुटे हैं। अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित रैगांव विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की मौजूदा विधायक कल्पना वर्मा और भाजपा की प्रतिमा बागरी के बीच कांटे की टक्कर है। यहां से बसपा ने देवराज अहिरवार और विंध्य जनता पार्टी ने रानी बागरी पर दाव खेला है। यहाँ प्रत्याशियों की कुल संख्या 15 है। विधानसभा क्षेत्र नागौद में भाजपा के नागेंद्र सिंह, कांग्रेस की डॉ रश्मि पटेल, बसपा के यादवेन्द्र सिंह समेत कुल 14 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं।मैहर विधानसभा सीट पर भाजपा के श्रीकांत चतुर्वेदी पार्टी का कब्जा बरकरार रखने के लिए पुरजोर कोशिश में हैं। कांग्रेस के धर्मेश घई और विंध्य जनता पार्टी के नेता नारायण त्रिपाठी ने मुकाबले को काफी रोचक बना दिया है। श्री त्रिपाठी इस सीट से वर्तमान में भाजपा के विधायक हैं। भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने विंध्य जनता पार्टी का गठन कर इस सीट पर अपनी उम्मीद्वारी पेश की और मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया। इस सीट पर कुल 17 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाता करेंगे। अमरपाटन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा से रामखेलावन पटेल, कांग्रेस से डॉ राजेन्द्र कुमार सिंह, बसपा से छंगेलाल कोल और विंध्य जनता पार्टी से शशि सत्येंद्र शर्मा सहित 16 प्रत्याशी मैदान में है। रामपुर बघेलान में विक्रम सिंह भाजपा से, रामशंकर पयाशी कांग्रेस से, मणिराज पटेल बसपा और प्रमोद कुमार शुक्ला सपा से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यहाँ प्रत्याशियों की कुल संख्या 17 है।

कर्नाटक में टीपू सुल्तान के अपमान वाले पोस्टर सामने आने के बाद तनाव

बेलगावी (एजेंसी)।कर्नाटक में बेलगावी जिले के चिकोडी टाउन में शनिवार को मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के राजाओं का अपमान करने वाले पोस्टर सामने आने के बाद तनाव पैदा हो गया। इस घटनाक्रम से इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस विभाग ने एहतियात के तौर पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने अपमानजनक पोस्टर व बैनर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर ऐसे पोस्टर साझा करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। डिप्टी एसपी सीबी गौदर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। 50 से अधिक पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शहर में ष्अखंड भारत का सपना है, अफगानिस्तान तक अपना है। वाले बैनर भी लगे हैं। उस स्थान पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है जहां पोस्टर के रूप में अखंड भारत मानचित्र चिपकाया गया है। पुलिस ने दिवाली उत्सव के चलते संवेदनशील इलाकों

में सुरक्षा भी बढ़ा दी है। इस संबंध में चिक्कोडी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आतिशी ने मुख्य सचिव से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में जांच शुरू

नयी दिल्ली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा द्वारका एक्सप्रेसवे पर भूमि अधिग्रहण में मुख्य सचिव नरेश कुमार के बेटे को 315 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाने का आरोप लगाने वाली शिकायत भेजे जाने के एक दिन बाद, सतर्कता मंत्री आतिशी ने इस संबंध में जांच शुरू की है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि आतिशी ने कुमार से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के संबंध में निदेशक सतर्कता और मंडलायुक्त को पत्र लिखा। सूत्र ने कहा कि सतर्कता मंत्री ने अपने बेटे की कंपनी को 315 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाकर मुख्य सचिव द्वारा किए गए कथित भ्रष्टाचार से संबंधित सभी फाइलें भी मांगीं। सूत्र ने कहा कि द्वारका एक्सप्रेसवे के लिए बामनोली गांव में भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी फाइलें शनिवार शाम 7 बजे तक सतर्कता मंत्री को सौंपी जानी हैं और उन्होंने दोनों विभागों को यह भी निर्देश दिया है कि कथित भ्रष्टाचार के इस मुद्दे से संबंधित कोई भी फाइल ष्पारितष न की जाए। यह घटनाक्रम केजरीवाल द्वारा द्वारका एक्सप्रेसवे पर भूमि अधिग्रहण में दिल्ली के मुख्य सचिव के बेटे को 315 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाने का आरोप लगाने वाली शिकायत भेजने के एक दिन बाद आया है। अधिकारियों के अनुसार, कुमार से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के संबंध में 24 अक्टूबर को मुख्यमंत्री से शिकायत की गई थी। एक सूत्र ने कहा, ष्मुख्य सचिव पर अपने बेटे की कंपनी को 315 करोड़ रुपये का फायदा पहुंचाने का आरोप है।"द्वारका एक्सप्रेसवे पर भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं के आरोप हैं। एक अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री ने मामले की विस्तृत जांच के लिए शिकायत सतर्कता मंत्री को भेज दी है। इससे पहले, दिल्ली उच्च न्यायालय ने द्वारका एक्सप्रेसवे पर दक्षिण पश्चिम दिल्ली के बामनोली गांव में भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के मामले में जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) हेमंत कुमार द्वारा जारी 300 करोड़ रुपये से अधिक के पुरस्कार को रद्द कर दिया था,

जिन्हें उनके पद से निलंबित कर दिया गया था। 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी व दक्षिण पश्चिम दिल्ली के मजिस्ट्रेटकुमार ने जिले में अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा 19 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा राशि 41.5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 353.8 करोड़ रुपये कर दी थी। . उच्च न्यायालय का निर्णय इस अवलोकन पर आधारित था कि जिला मजिस्ट्रेट ने एनएचएआई को पुरस्कार विजेता सुभाष चंद कथूरिया द्वारा प्रस्तुत अतिरिक्त दस्तावेजों का खंडन करने का अवसर दिए ।

राहुल ने आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार से बातचीत का वीडियो किया शेयर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना में आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों से मुलाकात के कुछ दिनों बाद शनिवार को अपनी मुलाकात का एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि अगर उन्हें सही समय पर सरकारी सहायता दी गई होती, तो वह जीवित होते, लेकिन बीआरएस और भाजपा की दोराला सरकार दक्षिणी राज्य के लोगों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। कांग्रेस नेता ने अपने यूट्यूब चौनल पर पीड़ा के बीज कांग्रेस की गारंटी के साथ किसान संकट से निपटना शीर्षक से वीडियो साझा किया।राहुल गांधी ने कहा, महात्मा गांधी ने एक बार कहा था, सबसे महत्वपूर्ण आवाज पंक्ति में अंतिम व्यक्ति की होती है। कुम्मारि चंद्रैया की आवाज ऐसी ही थी। लेकध्नि श्दोरालाश बीआरएस सरकार ने उन्हें विफल कर दिया। वह तेलंगाना के एक छोटे किसान थे, जो संघर्ष कर रहे थे। गुजारा पूरा करने के लिए और कर्ज के बोझ से दबे हुए। वह अपने प्यारे परिवार को छोड़कर आत्महत्या कर गए। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर उन्हें सही समय पर सरकारी सहायता दी गई होती, तो वह अभी भी जीवित होते और अपने प्रियजनों के बीच होते। बीआरएस और भाजपा की दोराला सरकार तेलंगाना के लोगों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। कांग्रेस सरकार ने बदलाव लाया? बिल्कुल, हां, उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गारंटी करोड़ों ऐसी आवाजों की आकांक्षाओं का प्रकटीकरण है, जो पंक्ति में आखिरी पायदान पर खड़ी

हैं। हमारी गारंटी तेलंगाना में हमारे लोगों को न्यूनतम मंजिल प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। कुम्मारी तिरुपथम्मा ने मुझे बताया कि उनका परिवार ऋण के बोझ से जूझ रहा है। यह बहुत जल्द बदल जाएगा। कांग्रेस की प्रजाला सरकार महालक्ष्मी को 2,500 रुपये प्रदान करेगी महिलाओं को प्रति माह, मुफ्त बस यात्रा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर देगी। उन्होंने कहा कि रायथु भरोसा योजना के तहत कांग्रेस किसानों को प्रति वर्ष 15,000 रुपये, कृषि मजदूरों को प्रति वर्ष 12,000 रुपये प्रदान करेगी। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारी लड़ाई अब हमारे सभी लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की है। अब पूरे भारत में जन–केंद्रित शासन के युग को वापस लाने का समय आ गया है। वीडियो में राहुल गांधी को कुम्मारी चंद्रय्या, उनके बेटे के साथ बातचीत करते और चर्चा करते हुए देखा जा सकता है कि वे कर्ज के जाल में कैसे फंस गए। उन्होंने उनकी कृषि भूमि का भी दौरा किया। तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा सीट के लिए 30 नवंबर को मतदान होना है और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। कांग्रेस ने राज्य में छह गारंटी का वादा किया है और 2014 में अपने गठन के बाद पहली बार दक्षिणी राज्य में सत्ता में आने की उम्मीद कर रही है।

भाजपा ही आदिवासियों की सच्ची हितैषी : अमित शाह

मनावर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही आदिवासियों की सच्ची हितैषी पार्टी है और इसने आदिवासियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। वरिष्ठ नेता श्री शाह ने मध्यप्रदेश के पश्चिमी हिस्से में स्थित धार जिले के मनावर में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई दशकों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने आदिवासियों का उपयोग सिर्फ वोट बैंक के रूप में किया और उनके हित में कदम नहीं उठाए। आदिवासियों के हित में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने नौ वर्षों के दौरान किए। यहां तक कि भाजपा ने इसी वर्ग से आने वाली महिला को राष्ट्रपति बनवाने का मार्ग भी प्रशस्त किया। श्री शाह ने इस अवसर पर आदिवासी जननायक बिरसा मुंडा का स्मरण करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने ही 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है और इस दिन पूरे देश में व्यापक आयोजन किए जाएंगे। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की ओर से आदिवासियों के हित में उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया। श्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा, बाह्य सुरक्षा और अन्य मुद्दों का भी जिक्र किया और कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने नौ वर्षों के दौरान इन सभी मोर्चों पर मजबूती से कदम उठाए हैं। भाजपा ने जो भी कहा है, वो करके दिखाया है। चाहे वह धारा 370 से जुड़ा मसला हो या फिर अयोध्या में राम मंदिर निर्माण से संबंधित मुद्दा हो। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में बीस वर्षों पहले कांग्रेस के शासन में क्या स्थिति थी।

पुलिस हिरासत में मनीष सिसोदिया दिल्ली में बीमार पत्नी से मिले

नयी दिल्ली(एजेंसी)। पुलिस हिरासत में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को अपने पिछले आधिकारिक आवास पर अपनी बीमार पत्नी से मुलाकात की। राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की तीसरी बटालियन सिसोदिया को तिहाड़ जेल से घर ले गई। आबकारी नीति मामले में जेल में बंद सिसोदिया ने शुक्रवार को इलाज करा रही अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने अनुरोध के मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए यात्रा की अनुमति दे दी।आप नेता को उस परिसर में ले जाया गया, जो कभी दिल्ली सरकार में उनके कार्यकाल के दौरान उनका आधिकारिक निवास हुआ करता था। बैठक आधिकारिक आवास पर हुई, जो अब एक अन्य श्आपश नेता, दिल्ली की वर्तमान शिक्षा मंत्री आतिशी को आवंटित किया गया है। आवास आवंटन में बदलाव उपमुख्यमंत्री के पद से हटने के बाद हुआ।विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने सिसोदिया को अपने घर पर अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी।

सम्पादकीय

प्रदूषणः भगवान और इंसान

राजधानी दिल्ली में नकली बारिश कराने पर अभी विचार ही घ्किया जा रहा था कि शुक्रवार की तड़के असली बारिश ने प्रदूषण से राहत दिला दी। प्रदूषणघ्को नियंत्रण करने में इंसान असहाय हो चुका था तो भगवान ने ही मेहरबानी की है। दीपावली से पहले इस वर्षा को भगवान का उपहार ही माना जा रहा है। दिल्ली दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में सबसे टॉप पर है। वायु प्रदूषण रोकने के लिए अनेक उपाय किए गए लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली और एनसीआर की हवा इतनी जहरीली हो चुकी है कि लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। आंखों में जलन, गले में इन्फेक्शन और सांस लेना भी दूभर हो चुका है। अध्ययन बता रहे हैं कि प्रदूषण की वजह से लोगों की औसत आयु 5 से 10 साल के बीच कम हो रही है। न तो किसान पराली जलाना बंद कर रहे हैं और न ही इस मामले में गम्भीरता से सोच रहे हैं। आनन–फानन में दिल्ली के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। डीजल वाहनों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। ग्रैप 4 के तहत अनेक पाबंदियां लगाई गई हैं। प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी उपाय विफल हो चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषणघ्फैलाने वाले कारक निरंतर बढ़ रहे हैं जबकि स्थायी उपाय अपनाने की जगह तात्कालिक प्रतिबंध लगा दिए जाते हैं। 2010 से 2022 तक आते–आते प्रदूषण के परम्परागत स्रोतों की हिस्सेदारी जहां इस समय अवधि में काफी बदली है वहीं 26 नए स्रोत भी जुड़ गए हैं। परिवहन के अलावा उद्योग, ऊर्जा, आवासीय निर्माण और अन्य कारक बहुत बढ़ चुके हैं। ईंधन के प्रकार, निजी वाहनों की बढ़ती संख्या, लोगों की भीड़, खाना बनाने के तौर–तरीके यह सब दिल्ली और एनसीआर को प्रदूषण का हॉट स्पॉट बनाने के लिए काफी हैं।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में पहली बार कृत्रिम बारिश कराने पर विचार किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आईआईटी कानपुर के साथ इस संबंध में विचार–विमर्श किया है। कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में थोड़े बादल होना जरूरी हैं। इसलिए 20 और 21 नवम्बर को कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है क्योंघकि दो दिन हल्के बादल रहेंगे। भारत में तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक में कृत्रिम बारिश कराने की कोशिशें पहले भी हुई हैं। इसके लिए सबसे बेसिक जरूरत बादल और नमी की है। भारत में इसे लेकर बहुत प्रगति नहीं हुई है। दुनिया के कई देशों ने कृत्रिम बारिश का तरीका इस्तेमाल किया है। 1940 के दशक में जनरल इलैक्ट्रिक रिसर्च लेबोरेटरी में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने पहली बार क्लाउड सीडिंग की कोशिशें शुरू की थीं। चीन ने 2008 में ओलम्पिक खेलों से पहले कृत्रिम बारिश कराने की तकनीक का प्रयोग किया था। रूस भी छुट्टियों के बड़े अवसरों से पहले क्लाउड सीडिंग कराने के लिए जाना जाता है ताकि सार्वजनिक समारोहों के रंग में बारिश से भंग न पड़ जाए। 2016 में मई दिवस की छुट्टी को बारिश मुक्त रखने के लिए रूस ने क्लाउड सीडिंग पर 8 करोड़ 60 लाख रूबल (करीब 14 लाख डॉलर) खर्च कर डाले थे। समारोह के दिन मॉस्को में मौसम खिला हुआ था। आज इस तरीके का इस्तेमाल सुखाग्रस्त इलाकों में बारिश लाने के लिए किया जाता है। चीन के अलावा अमेरिका भी क्लाउड सीडिंग का इस्तेमाल करता रहा है। अभी हाल–फिलहाल, सूखे की चपेट में आए उसके दो पश्चिमी राज्यों–इडाहो और व्योमिंग में क्लाउड सीडिंग की गई थी। कृत्रिम वर्षा का प्रयोग अब तक 53 देशों में हो चुका है। क्लाउड सीडिंग की प्रक्रिया एयरक्राफ्ट या ग्राउंड बेस्ड रॉकेट लॉन्चर से ही हो सकती है। जानकारों के अनुसार इस प्रक्रिया के लिए बादलों का चयन सही होना जरूरी है। जिस बादल को चुना जाए उसमें लिक्विड का होना काफी जरूरी है। सर्दियों के दौरान बादलों में पर्याप्त पानी नहीं होता। सर्दियों के दौरान वातावरण में इतनी नमी नहीं होती घ्कि बादल बना सकें। अगर वातावरण ड्राई होगा तो बारिश की बूंदें जमीन पर गिरने से पहले ही भाप बन सकती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, क्लाउड सीडिंग प्रदूषण का स्थाई हल नहीं है लेकिन स्मॉग के दौरान इसे अपनाया जा सकता है। इससे थोड़े समय के लिए राहत होगी। इसका अधिकतम असर इस पर निर्भर करेगा कि बारिश के बाद हवा किस गति से चलती है। इसलिए इसका इस्तेमाल सिर्फ आपात स्थिति में ही हो सकता है। इसके लिए बादलों की मूवमेंट का सही आकलन भी जरूरी है। अगर यह गलत हुआ तो बारिश उस जगह नहीं होगी जहां इसे करवाने का प्रयास हुआ है। इस तरह की बारिश कराने में एक बार में करीब 15 करोड़ रुपए का खर्च आता है। दुबई में ड्रोन के जरिये 2021 में कृत्रिम बारिश कराए जाने के बाद इसे लेकर दुनिया भर में बहस छिड़ गई थी। तब से बाढ़, सूखा, गर्मी और प्रदूषण जैसी समस्या से लड़ने में कृत्रिम बारिश को एक हथियार के रूप में देखा जाने लगा। कृत्रिम बारिश को लेकर वैज्ञानिकों की राय भी बंटी हुई है। कुछ वैज्ञानिक इसे बेहतर उपाय मान रहे हैं तो कई वैज्ञानिक इसके दुष्प्रभाव को लेकर आशंकित हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक कृत्रिम बारिश कराने केघ् लिए क्लाउड सीडिंग करके पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ करना ठीक नहीं है। इससे पारिस्थितकी विषमता पैदा हो सकती है। कृत्रिम वर्षा के फायदे और नुक्सान को देखते हुए अगर घ्दिल्ली और एनसीआर को जहरीले वातावरण से मुक्ति मिलती है तो ऐसा प्रयास करने में कोई बुराई नहीं लेकिन दिल्ली की हवा को शुद्ध बनाने केघ् लिए स्थायी उपाय करने जरूरी हैं।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

बृषभ :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

धनु :– संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

मीनः– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

वाकई जल्दी निपटें सांसदों-विधायकों के खिलाफ मामले

सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को तेजी से निपटाने के लिये सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश भर के हाई कोर्टों को आदेश दिया है कि वे जिला न्यायालयों में ऐसे लम्बित मामलों की नियमित निगरानी करें। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में कोई निश्चित समयावधि सम्बन्धी निर्देश नहीं दिए जा सकते लेकिन उच्च न्यायालय स्वतरू संज्ञान लेकर ऐसे मामले दर्ज करें और उनकी मॉनिटरिंग करें। विशेष रूप से उन मामलों को प्राथमिकता दी जाये जिनमें उम्र कैद या फांसी की सजा का प्रावधान हो। पीठ में न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और मनोज मिश्रा अन्य सदस्य हैं। बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट ऐसे मामलों पर तेजी से सुनवाई के लिए विशेष बेंच भी बना सकते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों के निपटारे के लिए सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को स्वतरू संज्ञान लेना होगा। अपने अधिकार क्षेत्र में लंबित मुकदमों की प्रभावी निगरानी और निपटान हेतु कार्यवाही को तेज करें। इन प्रकरणों की सुनवाइयों को हाईकोर्टों को वेबसाइटों पर डालने का भी आदेश बेंच द्वारा दिया गया जिससे जनता को पता चलता रहे कि जनप्रतिनिधियों के खिलाफ किस प्रकार के मामले लम्बित हैं और उन पर कोर्ट की सुनवाई में क्या हो रहा है।

मुख्य न्यायाधीश के साथ न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली पीठ के निर्देशानुसार ये विशेष पीठें जरूरत पड़ने पर मामलों को नियमित अंतराल पर सूचीबद्ध कर सकती हैं। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ऐसे मामलों के जल्दी और प्रभावी निपटान के लिए आवश्यक आदेश भी जारी कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि विशेष पीठ का नेतृत्व उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश कर सकते हैं। इसमें आगे यह भी कहा गया है कि मौत की सजा या आजीवन

कारावास वाले मामलों के बाद पांच साल से अधिक की जेल की सजा वाले मामलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय उन मामलों की भी सूची तैयार करेंगे जिन प्रकरणों पर रोक लगा दी गई है और ऐसे मुकदमों में तेजी लाने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर यह आदेश दिया गया जिसमें मांग की गई थी कि देश भर की अदालतें वर्तमान और पूर्व सांसदों–विधायकों के विरुद्ध लम्बित प्रकरणों को शीघ्र निपटाएं। इसकी सुनवाई के दौरान बताया गया कि पूरे देश में वर्तमान व पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ 5175 प्रकरण लम्बित हैं। 2116 (करीब 40 फीसदी) मामले तो 5 साल से अधिक समय से लम्बित हैं। सर्वाधिक 1377 मामले उत्तर प्रदेश में हैं। दूसरे क्रमांक पर बिहार है। यहां 546 प्रकरण हैं। महाराष्ट्र में ऐसे 482 मामले लम्बित हैं। उल्लेखनीय है कि 2014 में भी एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा था कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ प्रकरणों का निपटारा आरोप तय होने के एक वर्ष के भीतर निपटा दिया जाना चाहिए। यहां यह भी स्मरणीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब देश का नेतृत्व सम्भाला था, तब उन्होंने भी ऐसा ही कुछ मंतव्य जाहिर किया था जिससे लोकतंत्र और न्यायपूर्ण समाज में आस्था रखने वाले लोगों को यह उम्मीद बंध चली थी कि अब अपने रसूख का इस्तेमाल कर कानूनों की धज्जियां उड़ाने वाले लोग बेधड़क संसद के सदनों और विधानसभा–विधान मंडलों में नहीं पहुंच पाएंगे। चूंकि मोदी उस भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व करते हैं जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता की बात करती थी, उसी के बड़ी संख्या में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग जनप्रतिनिधि बनकर इन सदनों में न केवल प्रवेश पा रहे हैं बल्कि बड़े ओहदों पर भी काबिज हो रहे हैं तथा पार्टी में भरपूर सम्मान पा रहे हैं। बहुत से लम्बित मामले ऐसे हैं जिनमें भाजपा के ही जनप्रतिनिधियों की संलिप्तता है। वैसे यह भी सच है कि सिर्फ भाजपा के लोगों के खिलाफ गम्भीर प्रवृत्ति के अपराध जर्ज नहीं हैं बल्कि लगभग सारे ही राजनैतिक दलों का यही हाल है। कुछ अरसा पहले एडीआर (एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) ने बताया था कि आपराधिक रेकार्ड के लोग हर दल से शर्तिया जीतते हैं। इस कारण वे सभी दलों की पहली पसंद होते हैं। इसीलिये बड़ी संख्या में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग विधायिकाओं में पहुंचते हैं और अपने पद, प्रभाव तथा पैसों के बल पर अपने खिलाफ जारी जांच व मुकदमों को या तो रुकवा देते हैं या उनकी गति को धीमा करवा देते हैं। इन प्रकरणों के बावजूद वे चुनाव लड़ते हैं, जीतते हैं और कार्यकाल पूरा कर लेते हैं। तमाम निराशाजनक तस्वीर के बावजूद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला और हाई कोर्टों को दिया निर्देश आशा की किरण के रूप में देखा जा सकता है बशर्ते कि उच्च न्यायालय बगैर दबाव व प्रभाव में आये तथा भारी–भरकम फीस लेकर मामले लड़ने वाले उनके हाई प्रोफाईल वकीलों के दांव–पेंचों से निकलकर वाकई कथित बड़े लोगों के प्रकरणों को शीघ्रताशीघ्र निपटाये और देशवासियों को एक साफ–सुथरी लोकतांत्रिक व्यवस्था देंगे। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों को इसका भी रास्ता निकालना होगा कि वह कैसे सत्ताधारी दलों द्वारा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अपने सांसदों, विधायकों, मत्रियों आदि के खिलाफ थानों में दर्ज व न्यायालयों में लम्बित मामलों को ही समाप्त कर देते हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने ही 2022 में सभी राज्यों को सांसदों–विधायकों के खिलाफ लम्बित प्रकरणों की सुनवाई के लिये विशेष कोर्ट बनाने के लिये कहा था पर केवल 12 राज्यों ने ही उसका पालन किया है।

बिहार में 75 प्रतिशत आरक्षण

सामाजिक व शैक्षणिक पिछड़ेपन को समाप्त करने के लिए भारत के संविधान में प्रभावित वर्गों के लिए ऐसे कदम उठाने का प्रावधान निहित है जिनसे इनका विकास व उत्थान हो सके और समाज में गैर बराबरी कम हो सके। इस तरफ सबसे पहला कदम अनुसूचित जातियों व जन जातियों को राजनैतिक आरक्षण देकर किया गया जिसका विस्तार बाद में शिक्षण संस्थानों में भी किया गया। इसका असर चौतरफा पड़ना ही था। धीरे–धीरे इन वर्गों के लोगों का आर्थिक सशक्तिकरण भी होता गया मगर इसकी गति बहुत धीमी है क्योंकि इन वर्गों को हजारों साल तक भारत में दबाकर रखा गया जिसकी वजह से समाज के इस तबके की समग्र विकास में भूमिका सर्वदा हाशिये पर ही खिसकी रही। मगर आजादी के बाद समाज के दूसरे उन वर्गों की अपेक्षाएं भी जागृत हुई जो मुख्य रूप से शैक्षणिक कारणों से हाशिये पर पड़े हुए थे। इसे पिछड़ा वर्ग कहा गया और 1990 में इनके लिए भी सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। मगर हर राज्य में इस वर्ग के लोगों की जनसंख्या एक समान नहीं थी। अतः राज्य सरकारों ने इनकी जनसंख्या के अनुपात में शैक्षणिक व सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की। समाजवादी चिन्तक डा. राममनोहर लोहिया से लेकर अन्य प्रगतिशील विचारों के राजनीतिज्ञों ने इस बात की वकालत की कि राजनीति से लेकर सरकारी प्रशासन में विभिन्न जातियों व वर्गों की आबादी के अनुपात में उनकी हिस्सेदारी तय की जाये जिससे भारत का विकास सही अर्थों में समावेशी स्वरूप ले सके। इस सिद्धान्त की जबर्दस्त वकालत फिलहाल कांग्रेस

के नेता श्री राहुल गांधी करते दिख रहे हैं और कह रहे हैं कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी–उतनी उसकी हिस्सेदारी'। मगर यह काम तब तक संभव नहीं हो सकता जब तक कि पूरे देश में जातिगत जनगणना न कराई जाये और उसमें पिछड़ों, दलितों व आदिवासियों की सही संख्या न निकाली जाये।

बिहार के जातिगत सर्वेक्षण में हालांकि अपेक्षा के मुताबिक ही आंकड़े निकल कर आये हैं और इसमें चौंकने वाली भी कोई बात नहीं है क्योंकि इस राज्य का सामाजिक ढांचा अत्यन्त दकियानूसी व रूढिघ्गत रीतियों व परंपराओं पर टिका हुआ है। कमोबेश यही हालत उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाके की भी है। मगर 2000 में बिहार से अलग करके बनाये गये झारखंड राज्य में सभी आदिवासी इलाके चले जाने के बाद राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या दो प्रतिशत से भी कम रह गई है। दूसरी ओर पिछड़े व अति पिछड़े वर्ग की कुल जनसंख्या 60 प्रतिशत से ऊपर निकली है जिसमें अति पिछड़े 36 प्रतिशत से ऊपर हैं और सामान्य पिछड़े 27 प्रतिशत से ऊपर हैं। अतः इन दोनों समुदायों का आरक्षण कोटा बढ़ा कर क्रमशः 12 से 25 प्रतिशत और 8 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी प्रकार राज्य में अनुसूचित जातियों या दलितों की जनसंख्या 19.65 प्रतिशत आयी है। वर्तमान में यह कोटा 14 प्रतिशत ही था जिसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। परन्तु आदिवासियों की जनसंख्या दो प्रतिशत से भी कम ही आयी है अतः उनका कोटा 2 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस प्रकार शैक्षणिक संस्थाओं से लेकर सरकारी नौकरियों में इन वर्गों के लिए कुल आरक्षण 65 प्रतिशत हो गया है मगर भारत सरकार ने 10 प्रतिशत आरक्षण कथित ऊंची जातियों या सामान्य वर्गों के गरीबों के लिए भी किया हुआ है। उसे जोड़ कर कुल आरक्षण 75 प्रतिशत हो गया है। मगर अखिल भारतीय स्तर पर आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत सर्वोच्च न्यायालय ने बांधी हुई है। चूंकि यह आरक्षण राज्य सरकार द्वारा अपनी संवैधानिक अधिकार सीमा के तहत संवैधानिक प्रावधानों के तहत ही किया गया है। अतः इस पर 50 प्रतिशत सीमा का प्रतिबन्ध लागू होगा या नहीं यह देश के विधि विशेषज्ञों को देखना होगा। वैसे तमिलनाडु में भी 65 प्रतिशत के लगभग आरक्षण राज्य सरकार के संस्थानों व नौकरियों में बहुत समय से लागू है। इसके अलावा बिहार पूरे उत्तर भारत में पिछड़ों को आरक्षण देने वाला पहला राज्य भी है जब 1978 में इसके मुख्यमन्त्री समाजवादी नेता स्व. कर्पूरी ठाकुर बने थे तो उन्होंने मंडल कमीशन से बहुत पहले ही पिछड़ी जातियों के लोगों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी। देखने वाली बात यह होगी कि पूरे भारत में अब बिहार के 75 प्रतिशत आरक्षण की प्रतिध्वनि क्या निकलती है और देश का जनमानस उसे किस रूप में लेता है। सर्वेक्षण में यह तथ्य निकल कर आया है कि बिहार की 33 प्रतिशत से अधिक आबादी केवल छह हजार रुपए मासिक से कम पर गुजारा करती है। नीतीश सरकार ने इन गरीब परिवारों को आर्थिक मदद देने के भी कुछ ऐलान किये हैं।

सत्य का दीप प्रज्वलित करें

संजीव ठाकुर

दीपावली आशाओं के दीप जलाकर निराशा के अंधियारे को मिटाने का अवसर है। सकारात्मक सोच और अच्छे परिणाम की आशाओं को को लेकर कठिन परिश्रम और मनोबल के साथ जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति करना ही दीपावली मनाने का सत्यार्थ प्रयोजन है। दीपावली का हर दीपक आशाओं का आकांक्षाओं का और महत्वाकांक्षाओं केनिहितार्थ होता है। श्रम से अपने सभी प्रयास सफल कर हर उस आकांक्षा को फलिभूत करना होगा जिसकी हमने परिकल्पना की थी। आओ हम सब मिलकर आशाओं के दीप जलाएं खुशियों की दीपावली को द्विगुणित करें। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली भगवान रामचंद्र जी 14 वर्षों के वनवास के बाद समस्त बुराइयों के प्रतीक रावण के वध के पश्चात अयोध्या लौटने पर इनका अयोध्या वासियों द्वारा घी की दीपमालाओं को नगर में कतार में लगाकर स्वागत किया गया था। राजा रामचंद्र जी सद्गुणों,अच्छाइयों, धैर्य,संयम और देव तुल्य सद्गुणों के न सिर्फ प्रतीक माने जाते हैं बल्कि स्वयं सिद्ध देवता भी हैं, जिन्होंने संपूर्ण जगत को रावण जैसी अनंत बुराइयों से मुक्त कराया था। आज उसी परंपरा पारीपाटी कों शिरोधार्य करते हुए मेहनतकश कुम्हारों और मां धरती की मिट्टी से बने पवित्र दीपों से उद्दीप्त करके समस्त सद्गुणों को द्विगुणित करने के लिए यह त्यौहार समस्त ऊर्जा और उत्साह से मनाते हैं। जगत वासी एक दूसरे से मिलकर बुराइयों के प्रतीकों को नष्ट करने का संकल्प लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराते हैं, एवं औपचारिक तौर पर एक–दूसरे को उपहार देने का उपक्रम भी किया जाता है। गहन तमस पर उजाले की जीत का पर्व ही दीपावली है। सही मायने में दीपावली में हमें अपने घरों को माटी के दीपों से उज्जवल इत कर अपने व्यक्तित्व को ज्ञान के दीप से उद्दीप्त करना चाहिए। ऋषि मुनि ऐसा कह गए हैं कि शरीर को एक दिन इसी माटी में मिल जाना है और व्यक्तित्व तथा मस्तिष्क के ज्ञान की जो अविरल धारा आपके जीवन में बहेगी वह अनवरत कई पीढ़ियों तक सुदीप्त होती रहेगी, मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है इसी तरह जीवन में प्रकाश भी चाहे वह दीपों से हो या ज्ञान से हो जीवन को प्रकाशमान करते रहना होगा।

दीपावली मूलतः प्रकाश का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार धान, समृद्धि, विघ्न हरण एवं ऐश्वर्य के प्रतीक भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं एवं दीपावली के एक दिन पूर्व धनत्रयोदशी या धनतेरस अति शुभ माना जाता है। इस दिन लोग स्वर्ण अथवा रजत के आभूषण खरीदना अत्यंत शुभ लक्षण मानते हैं। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है माना जाता है कि समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी जी की इसी दिन से उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा धूमधाम से की जाती है। समुद्र मंथन से ही धनवंतरी जिन्हें औषधि विज्ञान का अविष्कारक माना जाता है की उत्पत्ति कार्तिक मास की त्रयोदशी मुहूर्त में हुई थी, इसीलिए धनवंतरी के नाम पर धनतेरस पर्व रखा गया है। पश्चिम बंगाल के लोग दीपावली को काली पूजा के रूप में मानते हैं वहां बड़े–बड़े एवं भव्य पंडालों के भीतर मां काली की प्रतिमा स्थापित की जाती है काली की पूजा के बाद वहां लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। सही मायने में दीपावली का अपना धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। किंतु दीपावली के इस परंपरागत पवित्र त्यौहार में कुछ लोग अपने ऐश्वर्या का प्रदर्शन करने के लिए हजारों, लाखों रुपए के पटाखे छोड़कर वायु को प्रदूषित करते हैं, जो वायुमंडल के लिए अत्यंत खतरनाक होती है। इस त्यौहार की सबसे बड़ी कमी इस बात की होती है कि लोग इस दिन जुआ खेलते हैं जो एक सामाजिक बुराई भी है। दीपावली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय के अपने संदेश को सार्थक करता नजर आता है। आज हमें अपनी व्यक्तित्व से और सामाजिक से बुराइयों को दूर कर अच्छाइयों को साथ लेकर चलने से यह दीपोत्सव का पर्व सचमुच सार्थक हो जाएगा। दीपावली की पुनः शुभकामनाएं।

संक्षिप्त खबरें

काला कोट पहनकर कोर्ट के बाहर रौब झाड़ने वाले वकीलों पर एचसी सख्त, कहा, सिर्फ कचहरी में पहनें यूनिफॉर्म

लखनऊ,(संवाददाता)। अदालत के बाहर काला कोट पहनकर वकीलों द्वारा रौब झाड़ने की खबरें लगातार आ रही थी। इन मामलों को अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गंभीरता से लेते हुए अब सख्त रवैया अपनाया है। कोर्ट ने यह निर्देश जारी किया है कि अब कोई भी वकील अदालत परिसर के बाहर यूनिफॉर्म न पहनें। यह अदालत का एक ऐतिहासिक फैसला माना जा रहा है। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सामने यह बात आई कि कोई अधिवक्ता ऐसे जो अपनी वर्दी पहनकर कोर्ट के बाहर लोगों को रौब दिखाते है। इस बात को भी ध्यान में रखकर कोर्ट ने यूपी बार काउंसिल को आदेश दिया है कि वह यह दिशा–निर्देश जारी करें कि अधिवक्ता कोर्ट परिसर के बाहर यूनिफार्म न पहनें। यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति एनके जौहरी की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता शुभांशु सिंह की याचिका पर दिया। याची शुभांशु सिंह ने कहा था कि वो सिविल कोर्ट लखनऊ में प्रैक्टिस करता है। 21 सितंबर 2023 को उसके साथ वहीं कुछ वकीलों ने मारपीट की और उसका सामान लूट लिया। याची ने इस मामले में स्थानीय पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसके बाद इस मामले की विवेचना सीबीआइ या किसी अन्य स्वतंत्र जांच एजेंसी से कराने की मांग की। याची ने कहा कि इस घटना से संबंधित जो भी सीसीटीवी फुटेज या सबूत हैं उन्हें सुरक्षित रखा जाए। इसके बाद अदालत ने इस केस पर सुनवाई करते हुए संबंधित एडीसीपी से विवेचना की स्थिति तलब की और जनपद न्यायाधीश से पूछा कि उन्होंने याची के अनुरोध पर क्या कुछ कदम उठाए है। वहीं, कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 28 नवंबर तय की है।

काम पर लौट आइए, नहीं बढ़ेगी सैलरी

लखनऊ,(संवाददाता)। ईको गार्डन में धरने पर बैठी यूपी–112 की महिलाकर्मियों की एडीजी नीरा रावत से वार्ता बेनतीजा रही। महिला कर्मियों ने कहा कि एडीजी ने रात को पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात कर कहा कि वेतन नहीं बढ़ेगा, उतने पर ही काम करना होगा, जल्दी से काम पर लौट आइये। पांचों ने इससे इनकार कर दिया। ईको गार्डन आकर तय किया गया कि धरना जारी रहेगा और सभी धरना स्थल पर ही दिवाली मनाएंगे। इस बीच सपा, कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता गुरुवार को को लगातार चौथे दिन कर्मचारियों के समर्थन में मौजूद रहे।यूपी–112 की हर्षिता और प्रियंका के मुताबिक बुधवार देर रात पांच कर्मचारियों से एडीजी नीरा रावत ने अपने ऑफिस में मुलाकात की। उन्होंने साफ कहा कि वेतन नहीं बढ़ाया जा सकता है। सब लोग लौट आइए...और काम शुरू कर दीजिये...। वार्ता 15 मिनट में ही खत्म हो गई। प्रियंका ने बताया कि सबने तय किया कि पुराने वेतन पर काम नहीं किया जायेगा। गौरतलब है कि वेतन वृद्धि और स्थायी नियुक्ति पत्र देने की मांग करते हुए यूपी–112 की 200 से अधिक महिला कर्मचारियों ने सोमवार से काम बंद कर रखा है। धरना शुरू करने के दूसरे दिन पुलिस ने इन्हें ईकोगार्डन पहुंचा दिया।सपा के व्यापारी नेता की गाड़ी को पुलिस ने ईकोगार्डन गेट पर रुकवा लिया। अंदर नहीं जाने देने पर सपा नेता पूजा शुक्ला ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने गाड़ी अंदर जाने दी। गाड़ी में खाने का सामान रखा था। प्रदर्शनकारी महिला कर्मियों ने आरोप लगाया कि पुलिस परिजनों को भी मिलने नहीं दे रही है।यूपी 112 मुख्यालय ने महिला कर्मचारियों की हड़ताल पर सीधे–सीधे कोई टिप्पणी न करते हुए नई व्यवस्था की जानकारी दी। मुख्यालय अनुसार दोनों सेवा प्रदाता कंपनियां श्रमायुक्त से निर्धारित वेतन दर, अन्य नियम अनुसार सुचारू रूप से यूपी–112 को सेवाएं दे रही हैं।

अभिनेता धर्मेन्द्र से मिले योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री आवास पर हुई मुलाकात

लखनऊ,(संवाददाता)। बॉलीवुड के स्टार अभिनेता धर्मेन्द्र ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। धर्मेन्द्र बड़े जोश के साथ सीएम योगी से मिले और पुराने दोस्तों की तरह एक दूसरे की बाहों में बाहें डाले नजर आए। इस मुलाकात के दौरान दोनों के चेहरों पर खुशी नजर आई। दरअसल, इन दिनों अभिनेता धर्मेन्द्र

लखनऊ में अपनी फिल्म इक्कीस (21) की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग गुरुवार को शुरू की थी। इस फिल्म की कहानी परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन से प्रेरित है। निर्देशक और निर्माता टीम सोमवार को लखनऊ पहुंच गई है। इससे पहले टीम ने चंडीगढ़ में शूटिंग की थी। पूरी टीम चंडीगढ़ से सीधे लखनऊ पहुंची थी। शनिवार को अभिनेता धर्मेन्द्र ने सीएम आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट डाली और लिखा, प्रख्यात फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी से लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई। इस मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद यूजर्स तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की रामनगरी अयोध्या में दीपावली पर आज यानी 11 नवंबर को भव्य और दिव्य दीपोत्सव का आयोजन होगा। इस बार 51 घाटों पर 24 लाख दीये जलाकर पर्यटन विभाग विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहा है। दीपोत्सव के दिन प्रातः 9 बजे से वालंटियर्स द्वारा 51 घाटों पर 24 लाख से अधिक दीयों में तेल डालने, बाती लगाने के साथ देर शाम तक काम किया जाएगा इसके बाद शासन द्वारा नियत समय पर दीये प्रज्वलित किये जायेंगे। इसी के साथ प्रशासन ने एक नया प्रयास भी किया है, जिसके जरिए लोग घर बैठे भी दीपोत्सव में अपना दीया जलवाकर इसका हिस्सा बन सकते है।

अयोध्या में बारिश के बीच निकली श्रीराम राज्याभिषेक यात्रा

लखनऊ,(संवाददाता)। अयोध्या में भगवान श्रीराम की राज्याभिषेक यात्रा को साकेत महाविद्यालय से प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने तिरंगा झंडा दिखाकर रवाना किया। यात्रा में राम कथा व सामाजिक संदेशों पर आधारित 18 झांकियां शामिल हुई। यात्रा के दौरान अचानक बारिश भी शुरू हो गई। बारिश में भीगते हुए लोक कलाकारो ने

प्रस्तुतियां दी। प्रभु राम के राज्याभिषेक यात्रा के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। छतों से पुष्प वर्षा की गई और निरंतर जय श्री राम का उद्घोष होता रहा ।अयोध्या के विधायक वेद गुप्ता ने कहा भगवान इंद्रदेव भी मेहरबान है और भगवान राम के अभिनंदन में यह बारिश हुई है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस बार का दीपोत्सव ऐतिहासिक होगा क्योंकि जल्द ही भगवान श्रीराम अपने दिव्य भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव का आगाज दीपोत्सव से ही हो चुका है अभियान निरंतर जारी रहेगा।

अखिलेश यादव ने मनाया खजांची का जन्मदिन

कार्पोरेट फ्रॉड की भरपाई के लिए हुई थी नोटबंदी : अखिलेश

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज शनिवार को पार्टी कार्यालय में सात वर्षीय खजांची का जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा कि नोटबंदी से कालाधन खत्म होने की बात कही गई थी।सात साल बाद हालात सामने हैं। 15 लाख करोड़ रुपये का कार्पोरेट फ्रॉड हुआ था उसकी भरपाई के लिए नोटबंदी की गई थी। इसके जरिए भाजपा ने गरीबों का पैसा अमीरों की तिजोरी में भर दिया। नोटबंदी की लाइन में पैदा हुए खजांची का जन्मदिन हम लोग मनाते हैं। आज खनाची बड़ा हो गया है और बोलने लगा है। उसके बुरे और परेशानी के दिनों में सपा ने उसका साथ दिया।8 नवंबर 2016 को केंद्र की मोदी सरकार ने नोटबंदी का एलान किया था। घोषणा के बाद एक हजार और पांच सौ के नोट चलन से बाहर हो गए। दावा किया गया था कि इससे कालाधन समाप्त हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि कैश लेनदेन कम होने के बजाय 33 लाख करोड़ हो गया। 18 फीसदी जीएसटी है, कैश में लेनदेन ही हो रहा है। भाजपा के लोगों ने अयोध्या में जमीन खरीदने के लिए रजिस्ट्री करवाई वो भी कैश में है। नोटबंदी में जितना पैसा निकला उसे सपा का बताया गया।कानपुर इत्र कारोबारी के घर का पैसा सपा का बताया गया। आज हमें पैसे की सख्त जरूरत है, उसे वापस कर दो।अखिलेश यादव ने जन्मदिन पर खजांची को लड्डू खिलाया और एबीसीडी सुनाने को कहा। बच्चा डर गया तो अखिलेश ने कहा कि जब प्रधान बन जाएगा तो बोलेगा। जन्मदिन पर खजांची ने साइकिल मांगी और कहा कि साइकिल पर

बैठकर एबीसीडी सुनाएगा।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने पहले दो हजार के नोट छापे और फिर बंद कर दिए। मैं शादी में ड्रोन उड़ते देखता हूं तो लगता है कि वो दो हजार के चिप वाले नोट देख रहा है।यूपी की डायल 112 सेवा की महिला कर्मचारियों के धरने पर कहा कि भाजपा सरकार संवेदनहीन है। सपा ने इसे बनाने से पहले काफी रिसर्च की थी। न्यूयॉर्क की टेक्नोलॉजी देखी। इसे खास तौर पर डेवलप किया गया। उन्होंने प्रोफेसर वेंकट को धन्यवाद दिया कि उन्होंने दुनिया के कई देशों की पुलिस का काम देखा। यूपी सरकार ने टेंडर देकर कंपनी को बदल दिया। महिला कर्मियों को ऐसे ही बेसहारा छोड़ दिया गया। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार के पास इतना पैसा नहीं है कि तीन या छह हजार तक वेतन बढ़ा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार आएगी तो महिला कर्मियों का वेतन दोगुना किया जाएगा।

पुलिस हमारे रजाई-गद्दे तक उठा ले गई, डायल-112 की लड़कियां बारिश से बचने के लिए बाथरूम में बैठीं

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के ईको गार्डन में डायल–112 की लड़कियों के रजाई–गद्दे तक पुलिस उठा ले गई। लड़कियों ने इसके वीडियो भी जारी किए हैं। शनिवार तड़के 4 बजे बारिश शुरू होने पर खुले आसमान के नीचे बैठी लड़कियों को बाथरूम की शरण लेनी पड़ी। इसके बाद भी उनका धरना जारी है। वेतन वृद्धि, छुट्टी और जॉब सिक्योरिटी को लेकर वे धरने पर बैठी हैं। इससे पहले शुक्रवार शाम धरना वाली जगह ही लड़कियों ने रंगोली बनाई और दीये जलाकर धनतेरस मनाया। अखिलेश ने लड़कियों के दीये जलाने का वीडियो शेयर कर लिखा– ये अपना वादा है। हम भी तेरे संघर्ष में एक दीया जलाएंगे। कुछ लड़कियों ने वीडियो जारी करके आरोप लगाए कि प्रशासन के अफसर सीएम योगी को गुमराह कर रहे हैं कि लड़कियां मुख्यमंत्री से मिलना नहीं चाहती। लड़कियों ने कहा कि योगी जी, आप ही हमारी समस्या को सुन सकते हैं। हम आपसे मिलना चाहते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार शाम लड़कियों के धनतेरस मनाने का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में दिख रहा कि 25–30 लड़कियां रंगोली बनाकर और दीये जलाकर बैठी हैं। सेव गर्ल्स और डायल–112 की थीम पर दीये और कलर से रंगोली बनाई हैं। 40 सेकेंड का ये वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर अखिलेश ने लिखा... आशाओं के दीप जलाये आज यहां जो बैठे हैं। उनसे वादा है

ये अपना हम भी तेरे संघर्ष में एक दीया जलाएंगे हरदम साथ निभाएंगे! यूपी–112 की कॉल टेकर का कहना है कि हम लोग धरना तभी खत्म करेंगे, जब हमारी मांगें पूरी होंगी। हम लोग 18 हजार से कम वेतन पर काम पर नहीं लौटेंगे। पानी और सर्दी हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकते। अगर पुलिस बाथरूम में बैठकर धरना नहीं देने देगी, तो बरसात में बैठकर धरना जारी रखेंगे। धरने के दौरान गुरुवार और शुक्रवार को दो कॉल टेकर की तबीयत भी बिगड़ी, लेकिन दोनों अस्पताल में ग्लूकोज चढ़वाने के बाद फिर धरने पर लौट आईं। सरकार और प्रशासन के इस तानाशाही रवैए के खिलाफ उनकी मांग पूरी न होने तक जंग जारी रहेगी।

प्रमोद तिवारी, व आराधना मिश्रा ने 'दीपावली' पर बधाई दी

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा एवं आराधना मिश्रा मोना, नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल, उत्तर प्रदेश ने दीप मालाओं के पवित्र पर्व 'दीपावली' के शुभ अवसर पर प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी है। नेता द्वय ने कहा है कि अधर्म पर धर्म की, और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में मनाये जाने वाला प्रकाश पुन्जों का यह पर्व हमें सदा सत्य की राह पकड़कर धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है, और याद दिलाता है कि आदि काल से सदैव सत्य और धर्म की ही विजय होती आयी है। नेता द्वय ने अंधकार पर प्रकाश की विजय के प्रतीक पवित्र त्यौहार 'दीपावली' के पावन पर्व पर प्रदेश की जनता को एक बार पुनः अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ।

परिवहन निगम के दो कर्मचारी निलंबित

लखनऊ,(संवाददाता)। अपना काम ठीक से न करने और विभाग को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचाने वाला दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। परिवहन निगम शिकायत के बाद जांच में आरोप ही पाया गया। बताया जा रहा है कि रोडवेज के संचालन विभाग में नोटर ड्राफ्टर ने यह खेल किया है। कर्मचारी अबू तैयब के पास के ढाबों व कैंटीन से जुड़ी पत्रावलियों का काम है। बताया जा रहा है कि उसने काम ठीक से नहीं किया इसकी वजह से बस अड्डों पर कई स्टॉल खाली पड़े रहे। असंचालित कैंटीन की कार्रवाई भी नहीं हो रही थी। जिसकी वजह से निगम को करीब 12 लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। इसको लेकर मुख्य प्रधान प्रबंधक (प्रशासन) राम सिंह वर्मा ने निलंबन का आदेश जारी कर दिया है। इसके अलावा एक दूसरे कर्मचारी पर भी कार्रवाई हुई है। बताया जा रहा है कि अवध डिपो में बुकिंग लिपिक के पद पर तैनात हिना खान ने भी अपना काम ठीक से नहीं किया है। इसकी वजह से कैंटीन और टी–स्टॉलों के कार्यान्वयन में बाधा आ रही थी। इन कारणों से हिना खान को भी आरएम आर के त्रिपाठी ने निलंबित कर दिया है।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान,सफाई करने के लिए परिजनों ने लगाई थी फटकार

लखनऊ,(संवाददाता)। बीकेटी में शनिवार सुबह घर में सफाई को लेकर मामूली कहासुनी हो गई। मामूली कहासुनी में युवती ने छत में लगे कुंडे से लटककर जान दे दी । कमरे को देर से बंद होने पर युवती का नाम लेकर परिजनों ने बुलाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला । परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़ कर देखा तो उनके पैर से जमीन खिसक गई और घर में कोहराम मच गया। मामला इटौंजा थाना क्षेत्र के ऊनई का है। ऊनई निवासी राम उजागर खेती बाड़ी करके जीवन यापन करते हैं। शनिवार को सुबह दस बजे के करीब दीपावली के त्योहार के चलते घर में साफ सफाई चल रही थी। तभी राम उजागर की पत्नी ने सफाई को लेकर बेटी रजनी गौतम 23 वर्षीय को फटकार लगा दी। रजनी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं अभी जाकर फांसी लगा लूंगी और कमरे में जाकर कमरे को अन्दर से बंद कर लिया लिया। देर तक कमरे से कोई आहट नहीं आने पर परिजनों ने कमरे को खटखटाया फिर भी अन्दर से कोई उत्तर नहीं मिला तो परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। कमरे के अंदर का नजारा देखने पर परिजनों के पैर से जमीन खिसक गई। उन्होंने देखा रजनी छत पर लगे कुंडे से फांसी लगा ली है। आनन–फानन में रजनी को फंदा काटकर नीचे उतारा और इलाज के लिए बीकेटी के राम सागर मिश्र शौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया।

घूसखोरी में उत्तर रेलवे के 5 कर्मचारी नामजद,ठेका दिलाने से लेकर पैमेंट कराने तक में लेते थे पैसे

लखनऊ,(संवाददाता)। सीबीआई ने उत्तर रेलवे ने लखनऊ डिवीजन में घूस लेने वाले पांच और अधिकारी–कर्मचारियों को आरोपी बनाते हुए उनकी तलाश तेज कर दी है। ब्ठप् ने यह नाम पांच लाख रुपए लेने मामले में गिरफ्तार डिप्टी चीफ इंजीनियर हरीश कुमार और ठेकेदार वीरेंद्र तोमर व प्रशांत को गिरफ्तार करने के बाद नाम भी खोल दिए हैं। जिसमें हजरतगंज कार्यालय में तैनात डिप्टी चीफ इंजीनियर जय किशन, डिप्टी चीफ इंजीनियर–4 सुखबीर सिंह, जौनपुर में तैनात पाथवे इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, सियाराम, असिस्टेंट इंजीनियर लालचंद और मथुरा के तोमर कंस्ट्रक्शन कंपनी के रोहित तोमर का नाम शामिल है। सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई को एक ने शिकायत की थी कि मथुरा के ठेकेदार मथुरा वीरेंद्र तोमर अपनी पहुंच के चलते अपने बेटों प्रशांत और रोहित के साथ अपनी कंपनी को काम दिलवाते हैं। साथ ही इसके एवज में रेलवे के बड़े अधिकारियों को लाखों की रिश्वत देते हैं। जिसकी शिकायत पर 8 नवंबर को उत्तर रेलवे के ऑफिस के

साथ मथुरा के कोसीकलां, जौनपुर में छापा मारकर पांच लाख रिश्वत के लेन–देन में डिप्टी चीफ इंजीनियर हरीश कुमार और ठेकेदार वीरेंद्र तोमर व उनके बेटे प्रशांत को गिरफ्तार किया था। जिसमें सामने आया कि ठेकेदार ने रेलवे अधिकारी हरीश कुमार और सुखबीर सिंह को पांच लाख की रिश्वत दी है। इसी तरह प्रशांत कुमार, सियाराम और लालचंद भी ठेका दिलवाने के नाम पर लाखों रुपये ले चुके हैं। जिसके बाद सीबीआई ने दस लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए अपनी जांच और तेज कर दी है।

14 नवंबर से चलेगी तेजस एक्सप्रेस,दीपावली बाद दिल्ली जाने वालों को मिलेगी राहत

लखनऊ,(संवाददाता)। दीपावली बाद दिल्ली जाने वालों के अच्छी खबर है। 14 नवंबर 82501 तेजस एक्सप्रेस का संचालन किया जाएगा। 14 नवंबर को मंगलवार पड़ रहा है। अभी तक को मंगलवार के दिन तेजस का संचालन नहीं होता था। लेकिन इस बार संचालन भी होगा और इसमें अतिरिक्त कोच भी जोड़े जाएंगे। त्योहार बाद लौटने वालों की इतनी भीड़ है कि ट्रेनों में जगह नहीं है। लखनऊ होकर नई दिल्ली जाने वाली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस की 15 से 20 नवंबर तक स्लीपर की वेटिंग लिस्ट के टिकट ही नहीं मिल रहे हैं। इसके अलावा गोमती एक्सप्रेस की सेकेंड सीटिंग क्लास की सभी सीट फुल हो गई है। इसमें 17 नवंबर तक वेटिंग है। सबसे तेज ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस की एसी चेयरकार की वेटिंग भी 95 तक हो गई है। यात्रियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो इसके लिए रेलवे ने अपने कर्मचारियों की छुट्ध्टी कैंसिल कर दी है। इसको लेकर आदेश जारी कर दिया गया है। यहां तक की अधिकारियों की अलग टीम बना दी गई है। यह टीम

वेटिंग लिस्ट वाली ट्रेनों में निगरानी करेंगे। अधिक वेटिंग वाली अयोध्या–दिल्ली सहित कई ट्रेनों में अतिरिक्त बोगियां लगायी जाएंगी।स्टेशन पर कोई दिक्कत न हो। हिंसा की कोई घटना न हो इसके लिए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रियों को असुविधा न हो इसके लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल भी तैनात किया जाएगा। यात्री अपने तय से पहले स्टेशन पहुंचे, इसकी अपील की गई है। लखनऊ से 15 नवंबर को दिल्ली और वाराणसी से लखनऊ होकर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के लिए एक स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी है। उत्तर रेलवे की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा ने बताया कि लखनऊ से जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में 15 नवंबर को भीड़ है।

जेएन मेडिकल कालिज में वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग ने यूपी के कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जनों के 5वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, बिहार, जम्मू–कश्मीर, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक के लगभग 100 सर्जनों ने भाग लिया।सम्मेलन यूपी के कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जन प्रगतिशील कल्याण संघ के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसने भारत में हृदय, फेफड़े और रक्त वाहिका सर्जरी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों को एक साथ लाया। वक्ताओं में डॉ. एस. के. चौधरी, विभागाध्यक्ष, एम्स, डॉ. वी. ग्रोवर, विभागाध्यक्ष, आरएमएल, नई दिल्ली, डॉ. युगल मिश्रा, निदेशक, कार्डिएक सर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, गुड़गांव, डॉ. जैनुल आबिदीन, विभागाध्यक्ष, जीएचसी हॉस्पिटल, मुंबई, डॉ. शांतनु पांडे, वरिष्ठ प्रोफेसर, एसजीपीजीआई, लखनऊ, डॉ. धर्मेंद्र श्रीवास्तव, आरएमएल लखनऊ और डॉ. संजय कुमार, विभागाध्यक्ष, आईएमएस, बीएचयू शामिल थे एएमयू के कुलपति, प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज, रजिस्ट्रार, श्री मोहम्मद इमरान (आईपीएस) और डीन, फैकल्टी आफ मेडिसिन, प्रोफेसर वीना माहेश्वरी, प्रिंसिपल जे.एन. मेडिकल कॉलेज प्रोफेसर हारिस मंजूर खान और अन्य वरिष्ठ शिक्षक और प्रतिनिधि उद्घाटन सत्र में शामिल हुएअपने समापन भाषण में विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद आजम हसीन ने कहा कि सम्मेलन ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है और कार्डियोथोरेसिक और संवहनी सर्जरी में नवाचार को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक अनुसंधान, अभूतपूर्व सर्जिकल तकनीकों और क्षेत्र में नवीनतम प्रगति पर ध्यान देने के साथ, इस कार्यक्रम ने देश भर के चिकित्सा पेशेवरों, शोधकर्ताओं और छात्रों को आकर्षित किया।

बाल साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

अलीगढ़,(संवाददाता)। "एक बच्चे को कहानियों की जरूरत उतनी ही बुनियादी है जितनी कि उसके भोजन की जरूरत। बच्चे, चाहे वे किसी भी जाति या नस्ल के हों, किसी भी ऐतिहासिक या भौगोलिक परिस्थिति में पैदा हुए हों, आशा के लिए एक सतत अवसर का प्रतिनिधित्व करते हैं। किताबें बच्चों के जीवन में कल्पना की उस छलांग को संभव बनाती हैं। हम यहां इसलिए एकत्र हुए हैं क्योंकि हम किताबों की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं, और साहित्य की ओर से इस काम को जारी रखने की हमारी जिम्मेदारी और महान विशेषाधिकार दोनों हैं। प्रोफेसर (एमेरिटस) रॉबिन डेविडसन, प्रमुख अंग्रेजी विभाग, ह्यूस्टन–डाउनटाउन विश्वविद्यालय, टेक्सास, यूएसए ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के कश्मीरी अनुभाग द्वारा आयोजित 'बाल साहित्यः क्लासिक्स से समकालीन' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण देते हुए कहीं। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के बच्चे वास्तव में इस अत्यधिक जरूरतमंद दुनिया में हमारी सांत्वना हैं – अपराधियों और पीड़ितों की दुनिया, चाहे वह युद्ध की भयावहता के बीच में हो या टेक्सासधमेक्सिको सीमा पर प्रवासी हिरासत केंद्रों में, या असंख्य गरीबों में से किसी एक में हो, या दुनिया भर में खतरे में पड़े समुदाय हों। अपने अध्यक्षीय भाषण में कला संकाय के डीन प्रो. आरिफ नजीर ने कहा कि उन्होंने बच्चों के साहित्य की परिवर्तनकारी शक्ति देखी है। यह सिर्फ बच्चों को पढ़ना सिखाने के बारे में नहीं है। यह उनकी कल्पना को प्रज्वलित करने, सहानुभूति को बढ़ावा देने और सीखने के प्रति प्रेम पैदा करने के बारे में है। मुख्य अतिथि, डॉ. मोहम्मद मारूफ शाह, एक प्रसिद्ध कश्मीरी लेखक और दार्शनिक ने कहा कि "साहित्य को बचपन को फिर से बनाने के लिए एक रचनात्मक गतिविधि के रूप में जाना जा सकता है। धर्म हमें छोटे बच्चों की तरह बनने के लिए आमंत्रित करता है, जैसा कि दर्शन हमें आश्चर्यचकित करने के लिए कहता है। वास्तव में खोया हुआ स्वर्ग अपने अंदर के बच्चे को पाकर पुनः प्राप्त हो जाता है। वर्ड्सवर्थ मजाक नहीं कर रहा था कि बच्चा मनुष्य का पिता है और स्वर्ग में प्रवेश के लिए व्यक्ति को बच्चा होना होगा। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में,एसोसिएशन ऑफ राइटर्स एंड इलस्ट्रेटर्स फॉर चिल्ड्रन (एडब्ल्यूआईसी), नई दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा सिन्हा ने बच्चों के पुस्तक लेखकों की सूची में भारतीय लेखकों को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। एक निपुण बच्चों के लेखक के रूप में, उन्होंने कई भारतीय बच्चों के लेखकों, जैसे रस्किन बॉन्ड, सुकुमार रे और अन्य का उल्लेख किया। सम्मानित अतिथि, डॉ. अंदलीब (सामाजिक कार्य विभाग, एएमयू) ने बचपन के दौरान कहानियों के महत्व पर जोर दिया, खासकर दादा–दादी द्वारा सुनाई गई कहानियों के महत्व पर। उन्होंने बताया कि उत्पीड़न और अन्याय से लड़ने के लिए साहित्य एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है। उन्होंने साहित्य में वंचित बच्चों के प्रतिनिधित्व के बारे में बात की और बच्चों की किताबों में लैंगिक पूर्वाग्रह के बारे में बताया और बताया कि वे कैसे लैंगिक रूढ़िवादिता को मजबूत करते हैं। इससे पहले, अतिथियों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष और आयोजन सचिव प्रोफेसर मुश्ताक अहमद जरगर ने सम्मेलन के आयोजन के पीछे के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए विद्वानों से लगभग 350 सार प्राप्त हुए, जिनमें से 279 पेपर दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर प्रोफेसर जरगर की पुस्तक 'खुदा के हवाले', जो कश्मीरी साहित्य अकादमी द्वारा नामांकित कश्मीरी पुस्तक 'खुदायास हवाला' का उर्दू अनुवाद है, का विमोचन भी किया गया।सम्मेलन के संयोजक और रेले लिटरेरी सोसाइटी के संयुक्त सचिव श्री मोहम्मद शम्स उद्दोहा खान ने सम्मान समारोह का संचालन किया, जबकि मेहविश सौलत ने कार्यक्रम का संचालन किया और समन्वयक डॉ. ताहिर एच पठान ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सम्मेलन के पहले दिन पांच ऑफलाइन और 14 ऑनलाइन सत्र आयोजित किये गये। इसकी शुरुआत अंग्रेजी विभाग की प्रो. आयशा मुनीरा रशीद की अध्यक्षता में एक पूर्ण वार्ता से हुई, जिसमें डॉ. गार्गी गंगोपाध्याय (आर.एस.एम.वी. विद्याभवन, कोलकाता) ने 20वीं सदी के बंगाल में बदलते बचपन और बच्चों की किताबों पर बात की। प्रोफेसर समीना खान ने 'बाल साहित्य में लिंग अध्ययन' पर पहले ऑफलाइन शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता की। प्रोफेसर लिली वांट, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कश्मीर, प्रोफेसर अमीना काजी अंसारी, जामिया मिलिया इस्लामिया, डॉ. शोभना मैथ्यूज, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, डॉ. ज्योत्सना फांसे, एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, प्रोफेसर रोजी चामलिंग, सिक्किम यूनिवर्सिटी, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल के प्रोफेसर नुसरत बजाज ने पहले शैक्षणिक सत्र के समानांतर सत्र की अध्यक्षता की। डॉ. अकबर जोसेफ ए. सैयद (अंग्रेजी विभाग) की अध्यक्षता में एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें गार्गी कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) से डॉ. प्राची कालरा और डॉ. उषा मुदिगंती, स्कूल ऑफ लेटर्स, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे। पैनलिस्ट. तीसरा ऑफलाइन सत्र डॉ. किश्वर जफीर द्वारा 'कथाएँ और कथाकारः विविधता, आघात और परिवर्तन की खोज' विषय पर सत्र की अध्यक्षता के साथ शुरू हुआ। डॉ. सुसान लोबो, सेंट एंड्रयूज कॉलेज, मुंबई, डॉ. रश्मी सिंह, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, प्रोफेसर एशेज गुप्ता, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, प्रोफेसर निशात जैदी, जामिया मिलिया इस्लामिया, प्रोफेसर नीलिमा कंवर, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, डॉ. शाजीता एम.ए., कालीकट विश्वविद्यालय, डॉ. अंजना एन. देव, दिल्ली विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता की। सिमंस यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स, यूएसए में बाल साहित्य में स्नातक कार्यक्रम के निदेशक प्रो. कैथरीन मर्सीर ने एक पूर्ण व्याख्यान दिया। प्रोफेसर मुनीरा टी., वीमेन्स कॉलेज, एएमयू ने सत्र की अध्यक्षता की। दूसरे दिन, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. पायल नागपाल, केरल विश्वविद्यालय के प्रो. सी. ए. लाल, कश्मीर विश्वविद्यालय के डॉ. तस्लीम अहमद वार, कश्मीर विश्वविद्यालय की प्रो. रोजमेरी दजुविचू, नागालैंड विश्वविद्यालय, प्रो. जहूर अहमद गिलानी, केंद्रीय कश्मीर विश्वविद्यालय और डॉ. मिनी एस. अब्राहम, भारत माता कॉलेज की अध्यक्षता में छह ऑनलाइन सत्रों के दौरान कुल 127 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। उर्दू विभाग के प्रोफेसर जिया उर रहमान सिद्दीकी ने 'भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य' पर ऑफलाइन सत्र की अध्यक्षता की, उसके बाद जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. संजुक्ता नस्कर ने 'बाल साहित्य में क्रॉस–सांस्कृतिक यात्राएं' की अध्यक्षता की। बाद में, छह ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रोफेसर श्रुति दास, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, डॉ. रूमिना राशिद, बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय, डॉ. शिल्पा आनंद, बिट्स–पिलानी, हैदराबाद, डॉ. किश्वर जफीर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, डॉ. प्रियदर्शनी नारायण, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, डॉ. बी. पात्रा, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ ने सत्र की अध्यक्षता की। 'बच्चों के साहित्य में आघात के लिए राष्ट्रवाद और बच्चों के साहित्यिक आख्यानों में विविध परिप्रेक्ष्य और नवाचार' विषय पर दो ऑफलाइन सत्रों की अध्यक्षता डॉ. कामयानी कुमार, आर्यभट्ट कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. वसीम मुश्ताक वानी, वीमेन्स कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने की। आयोजन सचिव प्रो. मुश्ताक अहमद जरगर ने समापन सत्र के दौरान सम्मेलन की एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें प्रो. जिया उर रहमान सिद्दीकी, डॉ. मोहम्मद मारूफ शाह और डॉ. कामयानी कुमार ने टिप्पणी की। प्रतिनिधियों को मौलाना आजाद लाइब्रेरी, जामा मस्जिद, स्ट्रेची हॉल और सर सैयद हाउस सहित विश्वविद्यालय के प्रमुख स्थानों को कवर करते हुए हेरिटेज वॉक पर भी ले जाया गया। इससे पूर्व सम्मेलन के हिस्से के रूप में पांच प्री–इवेंट व्याख्यान आयोजित किए गए थे।

37वीं राष्ट्रीय खेल प्रतियागिता में महिला ट्रैप फाइनल में एएमयू की सबीरा को रजत पदक

अलीगढ़,(संवाददाता)। एएमयू की सबीरा हारिस ने गोवा में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेलों में महिला ट्रैप फाइनल में 43 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। सबीरा हारिस इससे पहले भी जर्मनी, कजाकिस्तान, इटली आदि देशों में आयोजित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। सबीरा हारिस एएमयू के सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा हैं।

डा. फातिमा जावेद द्वारा सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत

अलीगढ़ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की डॉ. फातिमा जावेद ने 'सोलिलोकीज फ्रॉम टेक्स्ट टू सिनेमाः ए स्टडी ऑफ विलियम शेक्सपियरश्ज टू बी ऑर नॉट टू बी' और विशाल भारद्वाज की 'हम हैं कि हम नहीं' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। कनोरिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर और शेक्सपियर एसोसिएशन, भारत द्वारा संयुक्त रूप से 'शेक्सपियर में सॉलिलोकीज, मोनोलॉग्स और भाषण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। अपनी प्रस्तुति में, डॉ. फातिमा ने सिनेमाई रूपांतरण होने पर होने वाले बदलाव को उजागर करने के इरादे से हैमलेट के एकांत भाषण, 'टू बी ऑर नॉट टू बी' की तुलना हैदर के इसके रूपांतरित संस्करण 'हम हैं कि हम नहीं' से की। उन्होंने स्रोत पाठ और उसके अनुकूलन के बीच संपर्क और प्रस्थान के बिंदु पर भी चर्चा की।

सीवी लेखन पर कार्यशाला आयोजित

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ प्रोफेशनल कोर्सेज (सीपीसी) ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिस (टीपीओ) के सहयोग से वाणिज्य विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'प्रोफेशनल सीवी राइटिंग' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। रिसोर्स पर्सन, डॉ. मुजम्मिल मुश्ताक, सहायक टीपीओ, ने एक प्रभावशाली सीवी तैयार करने के विभिन्न आवश्यक तत्वों को समझाया और क्रियाओं के उपयोग, हार्ड और सॉफ्ट दोनों कौशल को शामिल करने, कॉर्पोरेट अपेक्षाओं के साथ संरेखित करने और विशिष्ट नौकरी से मेल खाने के लिए सीवी को तैयार करने पर जोर दिया। श्री साद हमीद, टीपीओ ने एक प्रभावशाली सीवी के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया और सीवी की लाइव समीक्षा की। उन्होंने उम्मीदवारों के लिए संभावनाएं बढ़ाने के लिए प्रोफाइल को परिष्कृत करके सीवी लेखन की विभिन्न बारीकियों पर भी चर्चा की। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के मानव संसाधन प्रबंधक श्री मोहम्मद मुजफ्फर ने एक अच्छे सीवी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व, सीपीसी के समन्वयक डॉ. जुहैब अहमद और केंद्र के विजिटिंग फैकल्टी सीए मोहम्मद आसिम ने मेहमानों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

एएमयू के लैंड एण्ड गार्डन्स विभाग द्वारा फसल की नीलामी

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कार्यालय लैंड एंड गार्डन्स विभाग द्वारा बरसीम की फसल की नीलाम 14 नवम्बर को प्रातः 11.30 बजे कार्यालय लैंड एण्ड गार्डन्स विभाग परिसर में की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति समय पर आकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। लैंड एंड गार्डन्स विभाग के मेम्बर इंचार्ज प्रोफेसर जकी अनवर सिद्दीकी ने कहा है कि इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग लेने से पूर्व नियम व शर्तों को भली भांति पढ़ लें व फसल को देख लें, बाद में किसी प्रकार का भ्रम मान्य नहीं होगा।नीलामी की गई फसल खरीदार को तुरंत अपने अधिकार में लेनी होगी। नीलामी के बाद हर नुकसान का खरीदार स्वयं जिम्मेदार होगा। विश्वविद्यालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नीलामी कमेटी को पूर्ण धिकार होगा कि बिना कारण बताये सर्वोच्च बोली को स्वीकार करे या न करे या नीलामी को स्थगित करें। नीलामी का अंतिम निर्णय नीलाम कमेटी में निहित होगा। किसी भी तरह का विवाद अलीगढ़ न्यायालय क्षेत्र तक सीमित होगा।

एएमयू स्टार्टअप को सुपर 25 स्टार्ट अप में से एक के रूप में चुना गया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के इनोवेशन काउंसिल और यूनिवर्सिटी इनक्यूबेशन सेंटर के तत्वावधान में कैरियर डेवलपमेंट सेंटर और समर्थ भारत, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से एक स्टार्टअप स्टिक को उधमोद्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्टार्ट–अप कॉन्क्लेव में 400 से अधिक में से सुपर 25 स्टार्टअप में से एक के रूप में चुना गया है। पद्मश्री श्री संजीव बिखचंदानी, संस्थापक, नोकरी डोटकोम, प्रोफेसर योगेश सिंह, कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालयय श्री आशीष महापात्र, सीईओ, ऑफबिजनेसय अनुभव दुबे, सीईओ, चाय सुट्टा बारय और श्री भारत भूषण अरोड़ा, निदेशक, उधमोद्य फाउंडेशन डीयू उद्यमियों को प्रबुद्ध करने और पुरस्कृत करने के लिए उपस्थित थे।स्टिक युवाओं के लिए सामग्री पर पूर्ण नियंत्रण के साथ अपने जुनून को खोजने और आगे बढ़ाने का एक ऑनलाइन जुड़ाव मंच है। यह उपयोगकर्ताओं को उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप रुचि के क्षेत्रों में सुझाव देने और संलग्न करने के लिए उपयोगकर्ता–जनित डेटा और व्यक्तित्व लक्षणों के आधार पर एक नवीन एआई सुविधा का उपयोग करता है। यह वैयक्तिकृत फीड के लिए उपयोगकर्ता–नियंत्रित एआई अनुशंसा इंजन का भी उपयोग करता है। लक्ष्य एक व्यक्तिगत दुनिया बनाना और स्टिक को युवाओं के बीच एक घरेलू नाम बनाना है, जिससे उन्हें अपने जुनून को एक उपयोगी करियर जीवन में बदलने में मदद मिल सके। टीम स्टिक में जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से अभिषेक सिंह, मोहम्मद तैयब इलियास, सुमीत कुमार यादव, मोहम्मद अली, सिद्दीकी अहमद और दिव्यांक शांडिल्य शामिल हैं। विज्ञान संकाय से वासिद अंसारी और सौरव सारस्वतय कला संकाय से लक्ष्य प्रताप सिंह और आईआईआईटी नागपुर से रितिक भारद्वाज और सुमेर जाखड़ शामिल हैं।

एएमयू कुलपति ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बिरादरी, अलीगढ़ नागरिकों व देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने कहा कि यह प्रेरणा, आशा और एकजुटता का त्योहार है। यह रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ खुशियाँ साझा करने और लोगों की समृद्धि के लिए प्रार्थना करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि इस आनंदमय उत्सव के दौरान हमारे जीवन में शांति और खुशियां भर जाएं।

पूर्व छात्र के अलीगढ आगमन पर विशेष मुशायरा का आयोजन

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र (अटलांटा, अमेरिका के निवासी) सैयद हसन कमाल के अलीगढ आगमन पर अल्लामा इकबाल की जयंती के उपलक्ष में मनाये जाने वाले उर्दू दिवस के अवसर पर एक विशेष काव्य सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में जनाब हसन कमाल साहब की अध्यक्षता और डॉ. शारिक अकील, सीएमओ, यूनिवर्सिटी हेल्थ सर्विस के संचालन में किया गया। विशिष्ट अतिथि पूर्व उपकुलपति प्रोफेसर तबस्सुम शहाब ने अपने पिता स्वर्गीय श्री शहाब अशरफ की दो गजलों को आकर्षक पाठ के साथ प्रस्तुत किया। डॉ. शारिक अकील के संचालन में मुशायरा बेहद सफल रहा। उन्होंने इकबाल दिवस और उर्दू दिवस को लेकर भी अपने विचार व्यक्त किये। कुछ कवियों की कविताएँ निम्नलिखित हैंः– अपनी जात से आगे जाना है जिसकोउसको बर्फ से पानी होना पड़ता है (मोईद रशीदी)।तू है मगरूर तो फिर ढूंढ ही लेंगे कोई और इश्क है, सिलसिला–इ–खत्म–इ–नुबूवत तो नहीं (बाबर इलियास) उर्दू जिसे कहते हैं मुहब्बत की जबां है दुनिया–इ–मुहब्बत की एहि शाह–इ–जहाँ है। उर्दू न तो हिन्दू न मुसलमां की जबां है। ये दिल की जबां, दिल की जबां, दिल की जबां है (शारिक अकील) वो ताल्लुक जिसको दोनों ही समझते थे मजाकइस कदर बाकायदा हो जायेगा सोचा न था (सिराज अजमली) एक मैं हूँ और दस्तक कितने दरवाजों पे दूँ कितनी दहलीजों पे सजदा एक पेशानी करे (महताब हैदर नकवी)जो हो रहा है उसे देखते रहो चुप चाप यही सुकून से जीने की एक सूरत है (गजनफर) मुशायरे में बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र भी शामिल हुए।

उर्दू प्यार की भाषा हैः प्रोफेसर कमरूल हुदा फरीदी

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर कमरूल हुदा फरीदी ने मगध विश्वविद्यालय, बिहार के उर्दू विभाग के दो दिवसीय उर्दू कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उर्दू प्रेम की भाषा है। इसने बिना किसी भेदभाव के राष्ट्र की भावनाओं को व्यक्त किया है और हर महफिल में प्रेम के गीत गुनगुनाए हैं। उन्होंने कहा कि उर्दू का जन्म इसी धरती पर हुआ, जिसे हम भारत कहते हैं। यह यहीं पली–बढ़ी और आज पूरी दुनिया में संचार की भाषा के रूप में सम्मान पाती है। इसे बढ़ावा देने वालों में दक्कन के कुली कुतुब शाह भी हैं और अवध के वाजिद अली शाह भी हैं। यह मीर तकी मीर, असदुल्लाह खान गालिब और अल्लामा इकबाल की भी भाषा है और पंडित दया शंकर नसीम, पंडित बृज नारायण चकबस्त और फिराक गोरखपुरी की भी भाषा है। उर्दू को बढ़ावा देने वालों में जहाँ एक तरफ सर सैयद अहमद खान और मौलवी अब्दुल हक आदि के नाम आते हैं, वहीं सबसे बड़े उर्दू प्रकाशन गृह के मालिक मुंशी नवल किशोर भी इसके प्रशंसकों में शामिल है।प्रोफेसर फरीदी ने मगध विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों को उर्दू दिवस और उर्दू उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि इस सभा में अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत और पाली के प्रतिष्ठित शिक्षकों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि आज उर्दू प्रेमी हर जगह और भाषा में मौजूद हैं। शिक्षकों और छात्रों के अलावा, विशिष्ट अतिथि डॉ. सफदर इमाम कादरी ने भी विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए और उर्दू के प्रचार–प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लिया।

जेएन मेडिकल कालिज में सिजोफ्रेनिया में ब्लोनानसेरिन की भूमिका पर सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अलीगढ,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जे.एन. मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग ने सिजोफ्रेनिया में ब्लोनानसेरिन की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिजोफ्रेनिया के उपचार में ब्लोनानसेरिन के प्रभावी उपयोग के संबंध में स्वास्थ्य पेशेवरों के ज्ञान और समझ को बढ़ाना है। डॉ. आकांक्षा एसआर ने साक्ष्य–आधारित उपचारों को बढ़ावा देने वाले इस क्षेत्र में वर्तमान अनुसंधान और अभ्यास में मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा करते हुए एक व्याख्यान दिया। सत्र का संचालन प्रो. आरके गौड़ और डॉ. रियाजउद्दीन ने किया। डॉ. शालिजा एसआर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डाक्टर देवाश्री, डा. फैसल, डा. जीतेन्द्र भी मौजूद रहे।

एएमयू के शोधार्थियों को प्रतिष्ठित शोध के अवसर प्रदान

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के न्यूट्रिनो भौतिकी में विशेषज्ञता रखने वाले तीन शोध छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, जिससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हुआ है। वानिया अंसारी, जिन्होंने हाल ही में एएमयू से अपनी पीएचडी पूरी की है, ने 16 दिसंबर, 2023 से शुरू होने वाले मिसिसिपी स्टेट यूनिवर्सिटी में भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग में पोस्टडॉक्टरल एसोसिएट का प्रतिष्ठित पद हासिल किया है। उनका शोध फोकस सीक्वेस्ट प्रयोग पर होगा।सईद अख्तर और प्रमीत कुमार गौड़, दोनों पीएचडी कर रहे हैं ने 15 नवंबर, 2023 से संयुक्त राज्य अमेरिका में फर्मी नेशनल एक्सेलेरेटर प्रयोगशाला में छह महीने के रोमांचक शोध कार्यकाल की शुरुआत करने के लिए तैयार है। भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सज्जाद अतहर ने कहा कि वे एमआईएनईआरवीए के सहयोग में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं, एएमयू इस प्रतिष्ठित पहल में भारत से एकमात्र भाग लेने वाला संस्थान है।

डेंटल कालिज द्वारा राष्ट्रीय टूथ ब्रशिंग दिवस मनाया गया

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के डॉ. जियाउद्दीन अहमद डेंटल कॉलेज के पेरियोडोंटिया और सामुदायिक दंत चिकित्सा विभाग ने राष्ट्रीय टूथ ब्रशिंग दिवस के उपलक्ष्य में सुल्तान जहां पब्लिक स्कूल में एक दंत जांच और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। प्रोफेसर नेहा अग्रवाल, डॉ. प्रमोद कुमार यादव और डॉ. सैयद अमान अली की देखरेख में, डेंटल सर्जन्स की एक टीम ने स्कूल के 300 से अधिक छात्रों की स्क्रीनिंग और मुख स्वास्थ्य संबंधी जांच की और उन्हें आवश्यक दंत चिकित्सा देखभाल किट प्रदान कीं। जांच किए गए छात्रों में से, 169 की विभिन्न दंत समस्याओं की पहचान की गई और आगे के उपचार के लिए डेंटल कॉलेज में रैफर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शाजिया नाहिद, डॉ. अविनाश, डॉ. जीशान, डॉ. प्रिंसी, डॉ. सिमरन, डॉ. रुत्विक और डॉ. अदिति ने सक्रिय रूप से भाग लिया। टीम ने प्रत्येक कक्षा में मुख स्वच्छता और दाँत ब्रश करने की तकनीक पर जानकारी पूर्ण शैक्षिक सत्र आयोजित किए, जिससे मुख स्वास्थ्य के लिए जागरूकता और सर्वोत्तम अभ्यास पैदा हुए। डॉ फायजा अब्बासी (कोषाध्यक्ष, एमएसयूएस) और डॉ आयशा नवाज (प्रिंसिपल) ने शिविर के आयोजन में सहयोग प्रदान किया। पेरियोडोंटिया और सामुदायिक दंत चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर विवेक कुमार शर्मा ने सामुदायिक सेवा और मुख स्वास्थ्य जागरूकता पहल जारी रखने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की, जबकि डेंटल कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर आर.के. तिवारी ने मूलभूत स्तर पर मुख स्वच्छता जागरूकता के महत्व पर जोर देते हुए चिकित्सकों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी।

अमेठी पहुंचा राहुल गांधी का दीपावली तोहफा,5 हजार कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जा रहा गिफ्ट

अमेठी,(संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के पहले आई दीवाली राजनैतिक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए खुशी बनकर आई है। एक तरफ जहां अमेठी सांसद स्मृति ईरानी के निर्देश पर पूरे लोकसभा के एक लाख भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को दीपावली का तोहफा दिया जा रहा है तो दूसरी तरफ अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने निर्देश पर लोकसभा क्षेत्र के पांच हजार से अधिक कार्यकर्ताओं को भी दीपावली का तोहफा दिया जा रहा है।

पूर्व सांसद राहुल गांधी के द्वारा भेजे गए गिफ्ट को जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री और अमेठी सांसद स्मृति ईरानी के निर्देश पर अमेठी लोकसभा के एक लाख भाजपा कार्यकर्ताओं को दीपावली का तोहफा दिया जा रहा है। खुद सांसद के प्रतिनिधि विजय गुप्ता अमेठी में मौजूद रहकर अलग–अलग विधानसभाओं में जाकर कार्यकर्ताओं और जरूरतमंदों तक सांसद का तोहफा पहुंचाने में जुटे हैं। अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी का अमेठी मोह भी सामने आया है। पूर्व सांसद राहुल गांधी ने अमेठी लोकसभा क्षेत्र के पांच हजार कार्यकर्ताओं के लिए दीपावली का तोहफा भेजा है। राहुल गांधी द्वारा भेजे गए तोहफे को अमेठी कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल और उनकी टीम तोहफे को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने में जुटी है। वहीं पूर्व सांसद राहुल गांधी द्वारा भेजे गए तोहफे को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि पूर्व सांसद द्वारा कार्यकर्ताओं के लिए दीपावली का तोहफा भेजा गया है। पांच हजार से अधिक गिफ्ट पैक को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है।

एएमयू के पूर्व छात्रों को एसपीएआरसी के तहत महत्वपूर्ण परियोजना मिली

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर अजीजुद्दीन खान एक प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, जो वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानमुम्बई से जुड़े हुए हैं, को अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना (एसपीएआरसी) योजना के तहत एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। जिसका संचालन भारत सरकार आईआईटी खड़गपुर द्वारा किया जा रहा है। परियोजना के लिए 50 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रोफेसर खान प्रधान जांचकर्ता हैं, जबकि प्रोफेसर अकबर हुसैन, पूर्व डीन, कला संकाय, और डॉ. आसिफ हसन, सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, एएमयू सह–प्रमुख जांचकर्ता हैं। परियोजना, जिसका शीर्षक है 'द्विभाषी विकासात्मक डिस्लेक्सिया के संज्ञानात्मक और तंत्रिका संबंधी आधारः डिजिटल स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक टूल का विकास और डिजाइन' एक संयुक्त अध्ययन कार्यक्रम है जिसमें प्रोफेसर जरमो हामालैनेन, मनोविज्ञान विभाग, ज्यवास्किला विश्वविद्यालय और वाइस डीन, शिक्षा संकाय और मनोविज्ञान, ज्यवास्किला विश्वविद्यालय फिनिश पक्ष की ओर से प्रधान अन्वेषक के रूप में, प्रोफेसर पावो लेप्पेनन सह–पीआई के रूप में शामिल हैं।

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र **जन नायक सम्राट** के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें–

अमित कुमार वर्मा
सम्पादक
मो. 8218049162, 8273402499

कॅरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यालय (सामान्य) ने कानून और मानविकी के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए एसटीएस स्कूल में एक 'कैरियर काउंसलिंग सत्र' का आयोजन किया। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता शलभ माथुर (आईपीएस), डीआइजी, अलीगढ़ रेंज ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे मानविकी विषयों में उनकी रुचि ने उन्हें यूपीएससी परीक्षा की ओर आकर्षित किया। उन्होंने छात्रों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। उन्होंने छात्रों से प्रतिदिन अखबार पढ़ने और उत्तर लिखने का अभ्यास करने की आदत डालने का आग्रह किया। सम्मानित अतिथि एएमयू प्रॉक्टर प्रो. मो. वसीम अली ने अध्ययन के क्षेत्र के रूप में कानून की प्रासंगिकता पर चर्चा की और छात्रों से आग्रह किया कि वे पहले अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और फिर समर्पण, ईमानदारी, निरंतरता और केंद्रित अध्ययन के साथ उसकी तैयारी में अपना पूरा योगदान दें। विशिष्ट अतिथि डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने कॉर्पोरेट और मुकदमेबाजी क्षेत्रों में कानून के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से अपने कौशल में निखार पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करने और सीएलएटी, एएमयू लॉ और पीसीएस (जे) सहित विभिन्न कानून प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया।

साद हमीद, टीपीओ ने कानून स्नातक बनने के बाद विभिन्न धाराओं और नौकरी के अवसरों के बारे में छात्रों की शंकाओं को दूर किया। एसटीएस प्रिंसिपल फैसल नफीस ने छात्रों को जीवन में अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन सैयद अहमद नवाज जैदी और आदित्य भट्टाचार्य ने संयुक्त रूप से किया, जबकि अरमान अली खान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ार्यक्रम का संचालन अखिल कौशल एवं वेदांत भारद्वाज ने किया।

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।

सम्पादक
अमित कुमार वर्मा

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।